https://msdsuonline.ac.in

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

Email- registrar.msduniversity.azamgarh@gmail.com

पत्रांक– 2251 / कु.का / 2023 दिनांक– 05 / 10 / 2023

समस्त संकायाध्यक्ष

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय

आजमगढ़।

विषय : NEP-2020 पर आधारित सी0बी0सी0एस0 प्रणाली नियमावली - 2020 को लागू करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक से अवगत कराना है कि NEP-2020 पर आधारित सी0बी0सी0एस0 प्रणाली नियमावली- 2020 के पाठ्यक्रम संरचना संकलित करने के लिए मा0 कुलपित जी के आदेश दिनांक 14.07.2023 को एक समिति का गठन किया गया था। समिति कि सदस्यों ने सम्बन्धित दिशा निर्देश एवं पाठ्यक्रम संरचना संकलित कर विश्वविद्यालय को दिनांक 12.09.2023 को उपलब्ध करा दिया गया है। तदनुसार मा0 कुलपति जी ने दिनांक 30.09.2023 को निर्देशित किया है कि समस्त संकायाध्यक्ष NEP-2020 पर आधारित सी0बी0सी0एस0 प्रणाली नियमावली- 2020 के पाठ्यक्रम संरचना एवं दिशा निर्देश परिक्षण कर अपनी आख्या एक सप्ताह के अन्दर अद्योहस्ताक्षरी को प्रेषित करने की कृपा करें। यदि किसी प्रकार का कोई संशोधन आप द्वारा प्राप्त नहीं होता है तो प्रारूप को अनुमोदित मान लिया जायेगा।

05.10.23

कुलसचिव

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. निजी सचिव कुलपति को, माननीय कुलपति जी को अवलोकनार्थ।

कुलसचिव

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 आधारित

C.B.C.S. प्रणाली

(नियमावली - 2023)

(उच्च शिक्षा एकेडमिक वर्ष IV से V तक)

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय

आज़मगढ़

12.09.2023

12/09/23

12.09.2023

12/09/2023

Scanned with OKEN Scanner

1. स्नातकोत्तर कार्यक्रम की रूपरेखा
(Framework of Post Graduate Programme)

- स्नातकोत्तर कार्यक्रम, CBCS (Choice Based Credit System) एवं अर्धवार्षिक पाठ्यक्रम प्रणाली (Semester System) पर आधारित होगा।
- यह व्यवस्था चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा के अतिरिक्त सभी संकायों के कार्यक्रम / पाठ्यक्रम पर क्रियान्वित होगी।
- विधि तथा शिक्षक शिक्षा की व्यवस्था उनके नियामक संस्थान के द्वारा, NEP-2020 के दिशा निर्देशों के आधार पर सुनिश्चित की जायेगी।
- स्नातकोत्तर कार्यक्रम की अवधि दो वर्ष की होगी। प्रत्येक वर्ष में दो-दो अर्धवार्षिक पाठ्यक्रम (Semester) होंगे। इस प्रकार सम्पूर्ण स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (दो वर्ष) में कुल चार अर्धवार्षिक पाठ्यक्रम (Semester) होंगे।
- यदि कोई विद्यार्थी स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (उच्च शिक्षा का चतुर्थ वर्ष) में न्यूनतम 52% क्रेडिट्स अर्जित कर उत्तीर्ण होता है और पाठ्यक्रम को छोड़ता है तो उसे स्नातक शोध सहित उपाधि (Bachelor's Degree with Research) प्रदान की जाएगी। यदि विद्यार्थी स्नातकोत्तर के दोनों वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण कर लेता है तो उसे स्नातकोत्तर उपाधि (Master's Degree) प्रदान की जाएगी।
- स्नातकोत्तर कार्यक्रम / पाठ्यक्रम में प्रवेश विश्वविद्यालय / महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा (Entrance Exam) अथवा प्रवीणता (Merit) के आधार पर होगा।
- स्नातकोत्तर कार्यक्रम के प्रथम वर्ष (उच्च शिक्षा के चतुर्थ वर्ष) में ऐसे विद्यार्थी प्रवेश लेंगे जिन्होंने प्राचीन अथवा नवीन प्रणाली से तीन वर्षीय स्नातक उपाधि प्राप्त की हो।
- स्नातकोत्तर कार्यक्रम के विशेष संकाय में प्रवेश हेतु पूर्वापेक्षा (Prerequisite) आवश्यक है। विद्यार्थी उसी संकाय में स्नातकोत्तर में प्रवेश ले सकेगा जिस संकाय में उसने 60% क्रेडिट्स अर्जित कर स्नातक उपाधि प्राप्त / धारित की है।
- जिन विद्यार्थियों ने बैचलर ऑफ़ लिबरल एजुकेशन (B. L. Ed.) की उपाधि प्राप्त / धारित की होगी (अर्थात ऐसे विद्यार्थी जो स्नातक के तीन वर्षों में किसी एक संकाय में 60% क्रेडिट्स अर्जित नहीं कर पाए हैं।) वे उन विषयों में स्नातकोत्तर कर सकेंगे जिनमें स्नातक स्तर पर किसी पूर्वापेक्षा (Prerequisite) की आवश्यकता नहीं है।
- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम/ कार्यक्रम मुख्य विषय (Major Subject), जो स्वयं के संकाय से होगा एक गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper), जो किसी अन्य संकाय से होगा तथा प्रमुख अनुसन्धान परियोजना (Major Research Project), का सम्मिश्रण है।

1.1 मुख्य विषय (Major Subject)

- स्नातकोत्तर कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में विद्यार्थी को अपने संकाय (Own Faculty) से एक मुख्य विषय (Major Subject), पूर्वापेक्षा (Prerequisite) के आधार पर चयनित करना होगा। विद्यार्थी द्वारा चयनित मुख्य विषय अनिवार्य रूप से उन मुख्य विषयों में से एक होना चाहिए जिसका अध्ययन विद्यार्थी ने उच्च शिक्षा के तीसरे वर्ष में किया हो।
- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम /कार्यक्रम के मुख्य विषयों की प्रकृति के आधार पर प्रश्नपत्रों की संख्या तथा उनके क्रेडिट्स विभेदित होंगे।
- अप्रायोगिक मुख्य विषयों (Non - Practical Major Subjects), के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के प्रत्येक सेमेस्टर में चार सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (Theory Papers) होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र पाँच - पाँच क्रेडिट्स के होंगे। समस्त प्रश्नपत्रों के क्रेडिट्स का योग 20 (4x5 = 20) होगा।

12.09.2023 12/09/23 12.09.2023 12/09/2023

Scanned with OKEN Scanner

- प्रायोगिक मुख्य विषयों (Practical Major Subjects), के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के प्रत्येक सेमेस्टर में चार सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (Theory Papers) तथा एक प्रायोगिक प्रश्नपत्र (Practical) सम्मिलित होंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्नपत्र चार - चार क्रेडिट्स के होंगे। समस्त प्रश्नपत्रों के क्रेडिट्स का योग 20 (5x4 = 20) होगा।
- यदि किसी प्रायोगिक विषय में कोई एक प्रश्नपत्र शुद्ध रूप से सैद्धान्तिक प्रकृति का है अर्थात जिसमें प्रयोग संभव नहीं है तो उसके क्रेडिट्स 5 रखे जा सकते है। ऐसी दशा में प्रायोगिक प्रश्नपत्र का क्रेडिट्स 3 हो जाएगा। अन्य शेष 3 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 4 - 4 क्रेडिट्स के रहेंगे। यदि दो प्रश्नपत्र शुद्ध रूप से सैद्धान्तिक प्रकृति के हैं तो इन दोनों प्रश्नपत्रों के क्रेडिट्स 5-5 हो सकते हैं ऐसी दशा में प्रायोगिक प्रश्नपत्र 2 क्रेडिट्स का हो जाएगा तथा शेष 2 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 4 - 4 क्रेडिट्स के रहेंगे। किसी भी दशा में प्रायोगिक विषयों के सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 4 क्रेडिट्स तथा प्रायोगिक प्रश्नपत्र 2 क्रेडिट्स से कम नहीं रखे जा सकते।

1.2 गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper)

- विद्यार्थी को स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के प्रथम अथवा द्वितीय सेमेस्टर में एक गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper) निकट सम्बन्धी विषय से अनिवार्य रूप से चयनित करना होगा। इसके लिए किसी पूर्वपेक्षा (Prerequisite) की आवश्यकता नहीं होगी।
- स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper), अनिवार्य नहीं है।
- गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper) का चयन किसी अन्य संकाय से करना होगा। यह किसी विषय का एक प्रश्न पत्र होगा न कि पूर्ण विषय।
- यदि विद्यार्थी ने प्रायोगिक विषय से गौण प्रश्नपत्र चयनित किया हो तो उसे केवल सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र का ही अध्ययन करना होगा प्रायोगिक (Practical) का नहीं ।
- गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper), 4/5/6 क्रेडिट्स का होगा।
- विद्यार्थी को गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper) का चयन संस्थान में संचालित संकायों के विषयों में से करना होगा।
- विद्यार्थी को गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper) का आवंटन विश्वविद्यालय / महाविद्यालय में संचालित संकायों / विषयों तथा उपलब्ध सीटों के आधार पर किया जायेगा।

1.3 वृहद् शोध परियोजना (Major Research Project)

- उच्च शिक्षा के चतुर्थ तथा पंचम वर्ष (स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय वर्ष) के प्रत्येक सेमेस्टर में विद्यार्थियों को 4 - 4 क्रेडिट्स की वृहद शोध परियोजना करनी होगी।
- वृहद् शोध परियोजना विद्यार्थी द्वारा चयनित मुख्य विषय से सम्बन्धित अथवा अंतर्विषयक (Interdisciplinary) अथवा बहुविषयक (Multi-disciplinary) हो सकती है।
- शोध परियोजना औद्योगिक प्रशिक्षण (Industrial Training) / प्रशिक्षुता (Internship) / सर्वेक्षण कार्य (Survey Work) के रूप में हो सकती है।
- शोध परियोजना किसी शिक्षक के निर्देशन (Supervisor) में की जाएगी। आवश्यकतानुसार सह-निर्देशक (Co-Supervisor), भी लिया जा सकता है। सह- निर्देशक (Co-Supervisor), किसी उद्योग / कम्पनी / तकनीकी संस्थान / शिक्षा संस्थान तथा शोध संस्थान से लिया जा सकता है।
- शोध परियोजना हेतु,अनुसन्धान परिक्षेत्र/विषय (Research Area/Topic) का चयन विद्यार्थी अपने शोध निर्देशक की सहमति से करेगा।
- शोध परियोजना एकाकी स्वरूप (Individual Nature) अथवा प्रगतिशील स्वरूप (Progressive Nature) की हो सकती है। एकाकी स्वरूप की परियोजना ऐसी परियोजना होगी जो एक सेमेस्टर में प्रारम्भ होकर उसी सेमेस्टर में पूर्ण होगी। प्रगतिशील परियोजना स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर में प्रारम्भ होकर द्वितीय सेमेस्टर में समाप्त होगी (एक वर्ष में एक) इसी प्रकार स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष में तृतीय सेमेस्टर से प्रारम्भ होकर चतुर्थ सेमेस्टर में पूर्ण होगी।

12.09.2023 12/09/23 12/09/2023

Scanned with OKEN Scanner

- मुख्य शोध परियोजना (Major Research Project), विद्यार्थी व्यक्तिगत रूप से अथवा लघु समूहों (5-8 विद्यार्थी प्रति समूह) में कर सकते हैं परन्तु प्रत्येक विद्यार्थी को अपना परियोजना प्रतिवेदन (Project Report) / शोध प्रबन्ध (Dissertation), व्यक्तिगत रूप से तैयार करना होगा।
- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के प्रथम तथा द्वितीय सेमेस्टर की मुख्य शोध परियोजना का परियोजना प्रतिवेदन / शोध प्रबंध (Project Report / Dissertation) वर्ष के अन्त में संयुक्त रूप से जमा होगा। परियोजना प्रतिवेदन हस्त लिखित (Hand Written) अथवा टंकित (Typed) हो सकता है। जिसका मूल्यांकन 100 अंकों में शोध निर्देशक तथा विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा। 100 अंकों में से 75 अंक परियोजना प्रतिवेदन (Project Report) / शोध प्रबन्ध (Dissertation) हेतु तथा 25 अंक मौखिक परीक्षा (Viva Voce) हेतु निर्धारित है। मुख्य शोध परियोजना का उत्तीर्णता प्रतिशत 40 है। यही प्रक्रिया स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर) हेतु भी दुहराई जाएगी।
- यदि कोई विद्यार्थी स्नातकोत्तर कार्यक्रम के दौरान अपनी शोध परियोजना में से कोई शोध पत्र UGC- CARE सूची में सूचीबद्ध शोध पत्रिका (Journal) में प्रकाशित करवाता है, तो उसे शोध परियोजना मूल्यांकन हेतु निर्धारित 100 अंकों में से 25 अंक तक अतिरिक्त अंक प्रदान किये जा सकते हैं। किन्तु अधिकतम अंक 100 ही रहेंगे।

2. स्नातकोत्तर कार्यक्रम की सेमेस्टर अनुसार संरचना
(Semester Wise Structure of Post Graduate Programme)

2.1 स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर (उच्च शिक्षा का VII सेमेस्टर) की पाठ्यक्रम संरचना

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (उच्च शिक्षा का चतुर्थ वर्ष) के प्रथम सेमेस्टर (उच्च शिक्षा VII सेमेस्टर) के पाठ्यक्रम में मुख्य विषय (Major Subject), गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper) तथा वृहद् शोध परियोजना (Major Research Project) का समावेशन होगा। जिसका स्वरूप अधोवर्णित होगा -

2.1.1 मुख्य विषय (Major Subject)

- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के प्रथम सेमेस्टर के मुख्य विषय के प्रश्नपत्रों की संख्या एवं उनके क्रेडिट्स प्रायोगिक एवं अप्रायोगिक प्रकृति के आधार पर भिन्न -भिन्न होंगे।
- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (उच्च शिक्षा का चतुर्थ वर्ष) के प्रथम सेमेस्टर (उच्च शिक्षा VII सेमेस्टर), के अप्रायोगिक विषयों (Non-Practical Subjects) में मुख्य विषय (Major Subject) के चार सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (Theory Papers) होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र पाँच क्रेडिट्स का होगा। समस्त प्रश्नपत्रों के क्रेडिट्स का योग 20 (4x5 = 20) होगा।
- प्रायोगिक विषयों (Practical Subjects) के स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में मुख्य विषय (Major Subject) के कुल चार सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (Theory Papers) होंगे तथा एक अनिवार्य प्रयोगात्मक प्रश्नपत्र (Practical) होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र एवं प्रयोगात्मक प्रश्नपत्र) 4 क्रेडिट्स का होगा जिनका योग 20 (5x4 = 20) होगा।
- समस्त सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (Theory Papers) अनिवार्य एवं मूल प्रकृति (Core Nature) के होंगे।

2.1.2 गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper)

- स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper) का चयन विद्यार्थी को किसी अन्य संकाय से, बिन्दु 1.2 में वर्णित दिशा निर्देशों के अनुसार करना होगा।
  (टिप्पणी : स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में विद्यार्थी को 4 क्रेडिट्स के एक गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper) का अध्ययन प्रथम अथवा द्वितीय सेमेस्टर में करना होगा।)

12.09.2023 12/09/23 12/09/2023

Scanned with OKEN Scanner

2.1.3 वृहद् शोध परियोजना (Major Research Project)

- स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में, बिन्दु 1.3 में वर्णित दिशा निर्देशों के अनुसार विद्यार्थी को वृहद् शोध परियोजना (Major Research Project) करनी होगी।

Table - 1

Course Structure of Semester I (VII) for Non-Practical Subject

Nature of Courses / Papers	Number of Papers	Credits	Total of Credits
Major Theory (Core Compulsory)	4	5 Each Paper	4x5 = 20
Major Research Project (Compulsory)	1	4	4
Minor (Open Elective) Note: Student can opt Minor Paper in either first or second semester.	0 or 1	0/4/5/6	0/4/5/6
		Gross Total of Credits	**24/28/29/30***

* चूँकि विद्यार्थी प्रथम तथा द्वितीय सेमेस्टर में से किसी एक में गौण विषय (Minor Subject) चयनित कर सकता है इसलिए -

(i) यदि विद्यार्थी प्रथम सेमेस्टर में गौण विषय नहीं लेता है तो क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 24 होगा।

(ii) यदि विद्यार्थी प्रथम सेमेस्टर में 4 क्रेडिट्स का गौण विषय लेता है तो क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 28 होगा।

(iii) यदि विद्यार्थी प्रथम सेमेस्टर में 5 क्रेडिट्स का गौण विषय लेता है तो क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 29 होगा।

(iv) यदि विद्यार्थी प्रथम सेमेस्टर में 6 क्रेडिट्स का गौण विषय लेता है तो क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 30 होगा।

12.09.2023 12/09/23 12/09/2023

Scanned with OKEN Scanner

Table - 2

Course Structure of Semester I (VII)

for Practical Subject

Nature of Courses / Papers	Number of Papers	Credits	Total of Credits
Major Theory (Core Compulsory)	4	4 Each Paper	4x4 = 16
Practical (Compulsory)	1	4	4
Major Research Project (Compulsory)	1	4	4
Minor (Open Elective) Note: Student can opt Minor Paper in either first or second semester.	0 or 1	0/4/5/6	0/4/5/6
		Gross Total of Credits	**24/28/29/30***

* चूँकि विद्यार्थी प्रथम तथा द्वितीय सेमेस्टर में से किसी एक में गौण विषय (Minor Subject) चयनित कर सकता है इसलिए -

(i) यदि विद्यार्थी प्रथम सेमेस्टर में गौण विषय नहीं लेता है तो क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 24 होगा।

(ii) यदि विद्यार्थी प्रथम सेमेस्टर में 4 क्रेडिट्स का गौण विषय लेता है तो क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 28 होगा।

(iii) यदि विद्यार्थी प्रथम सेमेस्टर में 5 क्रेडिट्स का गौण विषय लेता है तो क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 29 होगा।

(iv) यदि विद्यार्थी प्रथम सेमेस्टर में 6 क्रेडिट्स का गौण विषय लेता है तो क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 30 होगा।

टिप्पणी - यदि किसी प्रायोगिक विषय में कोई एक प्रश्नपत्र शुद्ध रूप से सैद्धान्तिक प्रकृति का है अर्थात जिसमें प्रयोग संभव नहीं है तो उसके क्रेडिट्स 5 रखे जा सकते है। ऐसी दशा में प्रायोगिक प्रश्नपत्र का क्रेडिट्स 3 हो जाएगा। अन्य शेष 3 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 4 - 4 क्रेडिट्स के रहेंगे। यदि दो प्रश्नपत्र शुद्ध रूप से सैद्धान्तिक प्रकृति के हैं तो इन दोनों प्रश्नपत्रों के क्रेडिट्स 5-5 हो सकते हैं ऐसी दशा में प्रायोगिक प्रश्नपत्र 2 क्रेडिट्स का हो जाएगा तथा शेष 2 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 4 - 4 क्रेडिट्स के रहेंगे। किसी भी दशा में प्रायोगिक विषयों के सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 4 क्रेडिट्स तथा प्रायोगिक प्रश्नपत्र 2 क्रेडिट्स से कम नहीं रखे जा सकते।

12-09-2023 12/09/23 12/09/2023

Scanned with OKEN Scanner

2.2 स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर (उच्च शिक्षा का VIII सेमेस्टर) की पाठ्यक्रम संरचना

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (उच्च शिक्षा का चतुर्थ वर्ष) के द्वितीय सेमेस्टर (उच्च शिक्षा VIII सेमेस्टर) के पाठ्यक्रम में भी प्रथम सेमेस्टर की भांति मुख्य विषय (Major Subject), गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper) तथा वृहद् शोध परियोजना (Major Research Project) समाहित होगी। जिसका स्वरूप निम्नांकित होगा -

2.2.1 मुख्य विषय (Major Subject)

- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर के मुख्य विषय के प्रश्नपत्रों की संख्या एवं उनके क्रेडिट्स प्रथम सेमेस्टर की भांति प्रायोगिक एवं अप्रायोगिक प्रकृति के आधार पर भिन्न -भिन्न होंगे।
- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (उच्च शिक्षा का चतुर्थ वर्ष) के द्वितीय सेमेस्टर (उच्च शिक्षा VIII सेमेस्टर), के अप्रायोगिक विषयों में प्रथम सेमेस्टर की भांति, मुख्य विषय (Major Subject) के चार सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (Theory Papers) होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र पाँच क्रेडिट्स का होगा। समस्त प्रश्नपत्रों के क्रेडिट्स का योग 20 (4x5 = 20) होगा।
- प्रायोगिक विषयों के स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में भी प्रथम सेमेस्टर की भांति, मुख्य विषय के कुल चार सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (Theory Papers) होंगे तथा एक प्रयोगात्मक प्रश्नपत्र (Practical) होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र एवं प्रयोगात्मक प्रश्नपत्र) 4 क्रेडिट्स का होगा जिनका योग 20 (5x4 = 20) होगा।
- अप्रायोगिक तथा प्रायोगिक दोनों विषयों के चार सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों में से दो प्रश्नपत्र मूल प्रकृति (Core Nature) के होंगे जिनका अध्ययन समस्त विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप (Compulsory) से करना होगा। दो प्रश्नपत्र वैकल्पिक (Optional / Elective) होंगे जो विशिष्टीकरण (Specialization) पर आधारित होंगे। वैकल्पिक प्रश्नपत्र A तथा B दो समूहों में विभक्त होंगे। प्रत्येक समूह में दो - दो प्रश्नपत्र होंगे। विद्यार्थी को उपलब्ध समूहों में से किसी एक का चयन / अध्यापन करना होगा।
- प्रायोगिक प्रश्नपत्र अनिवार्य होगा किन्तु इसके पाठ्यक्रम में प्रयोगों के विकल्प उपलब्ध होंगे। जो समस्त अनिवार्य / वैकल्पिक सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे। विद्यार्थी को उन्हीं प्रयोगों का अध्ययन करना होगा जो उसके द्वारा चयनित सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों पर आधारित हों।

2.2.2 गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper)

- स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर में भी गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper) का चयन विद्यार्थी को किसी अन्य संकाय से, बिन्दु 1.2 में वर्णित दिशा निर्देशों के अनुसार करना होगा। यदि विद्यार्थी ने प्रथम सेमेस्टर में गौण वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Minor Elective Paper) का अध्ययन कर लिया है तो द्वितीय सेमेस्टर में उसके अध्ययन की आवश्यकता नहीं है।

2.2.3 वृहद् शोध परियोजना (Major Research Project)

- स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर में, बिन्दु 1.3 में वर्णित दिशा निर्देशों के अनुसार विद्यार्थी को वृहद् शोध परियोजना (Major Research Project) करनी होगी।

12.09.2023 12/09/23 12/09/2023

Scanned with OKEN Scanner

Table - 3

Course Structure of Semester II (VIII)

for Non-Practical Subject

Nature of Courses / Papers		Number of Papers	Credits	Total of Credits
Major Theory (Core Compulsory)		2	5 Each Paper	2x5 = 10
Major Theory (Optional / Elective) Note: Students have to choose any one group.	Group - A	2	5 Each Paper	2x5 = 10
	Group - B	2		
Major Research Project (Compulsory)		1	4	4
Minor (Optional / Elective)		0 or 1	0/4/5/6	0/4/5/6
			Gross Total of Credits	24/28/29/30*

* चूँकि विद्यार्थी प्रथम तथा द्वितीय सेमेस्टर में से किसी एक में गौण प्रश्नपत्र (Minor Paper) चयनित कर सकता है इसलिए -

(i) यदि विद्यार्थी प्रथम सेमेस्टर में गौण प्रश्नपत्र का अध्ययन कर चुका है, तो द्वितीय सेमेस्टर में गौण प्रश्नपत्र के अध्ययन की आवश्यकता नहीं है ऐसी दशा में क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 24 होगा।

(ii) प्रथम सेमेस्टर में गौण प्रश्नपत्र का अध्ययन ना करने की दशा में विद्यार्थी को द्वितीय सेमेस्टर में 4/5/6 क्रेडिट्स के गौण प्रश्नपत्र (Minor Paper) का अध्ययन करना अनिवार्य है।

(iii) यदि विद्यार्थी ने द्वितीय सेमेस्टर में 4 क्रेडिट्स का गौण प्रश्नपत्र लिया है तो क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 28 होगा।

(iv) यदि विद्यार्थी ने द्वितीय सेमेस्टर में 5 क्रेडिट्स का गौण प्रश्नपत्र लिया है तो क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 29 होगा।

(v) यदि विद्यार्थी ने द्वितीय सेमेस्टर में 6 क्रेडिट्स का गौण प्रश्नपत्र लिया है तो क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 30 होगा।

12.09.2023 12/09/23 12/09/2023

Scanned with OKEN Scanner

Table - 4

Course Structure of Semester II (VIII)

for Practical Subject

Nature of Courses / Papers		Number of Papers	Credits	Total of Credits
Major Theory (Core Compulsory)		2	4 Each Paper	2x4 = 8
Major Theory (Optional Elective) Note: Students have to choose any one group.	Group - A	2	4 Each Paper	2x4 = 8
	Group - B	2		
Practical (Compulsory)		1	4	4
Major Research Project (Compulsory)		1	4	4
Minor (Open Elective) Note : If student has not opted Minor Elective paper in first semester, then He / She has to opt Minor paper in second semester.		0 or 1	0/4/5/6	0/4/5/6
			Gross Total of Credits	**24/28/29/30***

* चूँकि विद्यार्थी प्रथम तथा द्वितीय सेमेस्टर में से किसी एक में गौण प्रश्नपत्र (Minor Paper) चयनित कर सकता है इसलिए -

(i) यदि विद्यार्थी प्रथम सेमेस्टर में गौण प्रश्नपत्र का अध्ययन कर चुका है, तो द्वितीय सेमेस्टर में गौण प्रश्नपत्र के अध्ययन की आवश्यकता नहीं है ऐसी दशा में क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 24 होगा।

(ii) प्रथम सेमेस्टर में गौण प्रश्नपत्र का अध्ययन ना करने की दशा में विद्यार्थी को द्वितीय सेमेस्टर में 4/5/6 क्रेडिट्स के गौण प्रश्नपत्र (Minor Paper) का अध्ययन करना अनिवार्य है।

(iii) यदि विद्यार्थी ने द्वितीय सेमेस्टर में 4 क्रेडिट्स का गौण प्रश्नपत्र लिया है तो क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 28 होगा।

(iv) यदि विद्यार्थी ने द्वितीय सेमेस्टर में 5 क्रेडिट्स का गौण प्रश्नपत्र लिया है तो क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 29 होगा।

(v) यदि विद्यार्थी ने द्वितीय सेमेस्टर में 6 क्रेडिट्स का गौण प्रश्नपत्र लिया है तो क्रेडिट्स का सम्पूर्ण योग 30 होगा।

टिप्पणी - यदि किसी प्रायोगिक विषय में कोई एक प्रश्नपत्र शुद्ध रूप से सैद्धान्तिक प्रकृति का है अर्थात जिसमें प्रयोग संभव नहीं है तो उसके क्रेडिट्स 5 रखे जा सकते है। ऐसी दशा में प्रायोगिक प्रश्नपत्र का क्रेडिट्स 3 हो जाएगा। अन्य शेष 3 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 4 - 4 क्रेडिट्स के रहेंगे। यदि दो प्रश्नपत्र शुद्ध रूप से सैद्धान्तिक प्रकृति के हैं तो इन दोनों प्रश्नपत्रों के क्रेडिट्स 5-5 हो सकते हैं ऐसी दशा में प्रायोगिक प्रश्नपत्र 2 क्रेडिट्स का हो जाएगा तथा शेष 2 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 4 - 4 क्रेडिट्स के रहेंगे। किसी भी दशा में प्रायोगिक विषयों के सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 4 क्रेडिट्स तथा प्रायोगिक प्रश्नपत्र 2 क्रेडिट्स से कम नहीं रखे जा सकते।

12.09.2023

Scanned with OKEN Scanner

2.3 स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर (उच्च शिक्षा का IX सेमेस्टर) की पाठ्यक्रम संरचना

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में मुख्य विषय (Major Subject) तथा वृहद् शोध परियोजना (Major Research Project) सन्निवेशित होगी जिसका स्वरूप निम्नवत है -

2.3.1 मुख्य विषय (Major Subject)

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के मुख्य विषय के प्रश्नपत्रों की संख्या, प्रकृति तथा चयन / अध्ययन प्रक्रिया द्वितीय सेमेस्टर के सामान होगी। यथा -

- स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष / तृतीय सेमेस्टर के मुख्य विषय के प्रश्नपत्रों की संख्या एवं उनके क्रेडिट्स द्वितीय सेमेस्टर की भांति प्रायोगिक एवं अप्रायोगिक प्रकृति के आधार पर भिन्न - भिन्न होंगे।
- स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर (उच्च शिक्षा IX सेमेस्टर) के अप्रायोगिक विषयों में द्वितीय सेमेस्टर की भांति, मुख्य विषय (Major Subject) के चार सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (Theory Papers) होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र पाँच क्रेडिट्स का होगा। समस्त प्रश्नपत्रों के क्रेडिट्स का योग 20 (4x5 = 20) होगा।
- प्रायोगिक विषयों के स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में भी द्वितीय सेमेस्टर की भांति, मुख्य विषय के कुल चार सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (Theory Papers) होंगे तथा एक प्रयोगात्मक प्रश्नपत्र (Practical) होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र एवं प्रयोगात्मक प्रश्नपत्र) 4 क्रेडिट्स का होगा जिनका योग 20 (5x4 = 20) होगा।
- अप्रायोगिक तथा प्रायोगिक दोनों विषयों के चार सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों में से दो प्रश्नपत्र मूल प्रकृति (Core Nature) के होंगे जिनका अध्ययन समस्त विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप (Compulsory) से करना होगा। दो प्रश्नपत्र वैकल्पिक (Optional / Elective) होंगे जो विशिष्टीकरण (Specialization) पर आधारित होंगे। वैकल्पिक प्रश्नपत्र A तथा B दो समूहों में विभक्त होंगे। प्रत्येक समूह में दो - दो प्रश्नपत्र होंगे। विद्यार्थी को उपलब्ध समूहों में से किसी एक का चयन / अध्यापन करना होगा।
- प्रायोगिक प्रश्नपत्र अनिवार्य होगा किन्तु इसके पाठ्यक्रम में प्रयोगों के विकल्प उपलब्ध होंगे। जो समस्त अनिवार्य / वैकल्पिक सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे। विद्यार्थी को उन्हीं प्रयोगों का अध्ययन करना होगा जो उसके द्वारा चयनित सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों पर आधारित हों।

2.3.2 वृहद् शोध परियोजना (Major Research Project)

- स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर में, बिन्दु 1.3 में वर्णित दिशा निर्देशों के अनुसार विद्यार्थी को वृहद् शोध परियोजना (Major Research Project) करनी होगी।

Scanned with OKEN Scanner

Table - 5

Course Structure of Semester III (IX) for Non-Practical Subject

Nature of Courses / Papers		Number of Papers	Credits	Total of Credits
Major Theory (Core Compulsory)		2	5 Each Paper	2x5 = 10
Major Theory (Optional / Elective) Note: Students have to choose any one group.	Group - A	2	5 Each Paper	2x5 = 10
	Group - B	2		
Major Research Project (Compulsory)		1	4	4
			Gross Total of Credits	24

Table - 6

Course Structure of Semester III (IX) for Practical Subject

Nature of Courses / Papers		Number of Papers	Credits	Total of Credits
Major Theory (Core Compulsory)		2	4 Each Paper	2x4 = 8
Major Theory (Optional / Elective) Note: Students have to choose any one group.	Group - A	2	4 Each Paper	2x4 = 8
	Group - B	2		
Practical (Compulsory)		1	4	4
Major Research Project (Compulsory)		1	4	4
			Gross Total of Credits	24

टिप्पणी - यदि किसी प्रायोगिक विषय में कोई एक प्रश्नपत्र शुद्ध रूप से सैद्धान्तिक प्रकृति का है अर्थात जिसमें प्रयोग संभव नहीं है तो उसके क्रेडिट्स 5 रखे जा सकते है। ऐसी दशा में प्रायोगिक प्रश्नपत्र का क्रेडिट्स 3 हो जाएगा। अन्य शेष 3 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 4 - 4 क्रेडिट्स के रहेंगे। यदि दो प्रश्नपत्र शुद्ध रूप से सैद्धान्तिक प्रकृति के हैं तो इन दोनों प्रश्नपत्रों के क्रेडिट्स 5-5 हो सकते हैं ऐसी दशा में प्रायोगिक प्रश्नपत्र 2 क्रेडिट्स का हो जाएगा तथा शेष 2 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 4 - 4 क्रेडिट्स के रहेंगे। किसी भी दशा में प्रायोगिक विषयों के सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 4 क्रेडिट्स तथा प्रायोगिक प्रश्नपत्र 2 क्रेडिट्स से कम नहीं रखे जा सकते।

Scanned with OKEN Scanner

2.4 स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर (उच्च शिक्षा का X सेमेस्टर) की पाठ्यक्रम संरचना

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष / चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में मुख्य विषय (Major Subject) तथा वृहद् शोध परियोजना (Major Research Project) समाविष्ट होगी जिसका स्वरूप अधोलिखित है -

2.4.1 मुख्य विषय (Major Subject)

- स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर के मुख्य विषय के प्रश्नपत्रों की संख्या एवं उनके क्रेडिट्स पूर्व की भांति प्रायोगिक एवं अप्रायोगिक प्रकृति के आधार पर भिन्न -भिन्न होंगे।
- स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर (उच्च शिक्षा X सेमेस्टर) के अप्रायोगिक विषयों में पूर्व की भांति मुख्य विषय (Major Subject) के चार सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (Theory Papers) होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र पाँच क्रेडिट्स का होगा। समस्त प्रश्नपत्रों के क्रेडिट्स का योग 20 (4x5 = 20) होगा।
- प्रायोगिक विषयों के स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में भी मुख्य विषय के कुल चार सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (Theory Papers) होंगे तथा एक प्रयोगात्मक प्रश्नपत्र (Practical) होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र (सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र एवं प्रयोगात्मक प्रश्नपत्र) 4 क्रेडिट्स का होगा जिनका योग 20 (5x4 = 20) होगा।
- स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर के मुख्य विषय के समस्त सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र वैकल्पिक (Optional/Elective) होंगे। समस्त सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र विशिष्टीकरण (Specialization) के आधार पर दो (Aतथा B) अथवा तीन (A, B तथा C) समूहों में विभक्त होंगे। यदि प्रश्नपत्र, A तथा B दो समूहों में विभक्त होंगे तो प्रत्येक समूह में चार - चार प्रश्नपत्र होंगे और विद्यार्थी को इनमें से किसी एक समूह का चयन / अध्यापन करना होगा। यदि प्रश्नपत्र A, B, तथा C समूह में विभक्त होंगे तो प्रत्येक समूह में दो-दो प्रश्नपत्र होंगे और विद्यार्थी को किन्हीं दो समूहों का चयन / अध्यापन करना होगा।
- प्रायोगिक प्रश्नपत्र अनिवार्य होगा किन्तु इसके पाठ्यक्रम में प्रयोगों के विकल्प उपलब्ध होंगे। जो समस्त वैकल्पिक सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे। विद्यार्थी को उन्हीं प्रयोगों का अध्ययन करना होगा जो उसके द्वारा चयनित सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों पर आधारित हों।

2.4.2 वृहद् शोध परियोजना (Major Research Project)

- स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर में, बिन्दु 1.3 में वर्णित दिशा निर्देशों के अनुसार विद्यार्थी को वृहद् शोध परियोजना (Major Research Project) करनी होगी।

Scanned with OKEN Scanner

Table - 7
Course Structure of Semester IV (X)
for Non-Practical Subject
Option First

Nature of Courses / Papers		Number of Papers in each Group	Number of Selected Papers	Credits	Total of Credits
Major Theory (Optional / Elective) Note: Students have to choose any two groups from the given three groups.	Group - A	2	4	5 Each Paper	4x5 = 20
	Group – B	2			
	Group – C	2			
Major Research Project (Compulsory)			1	4	4
				Gross Total of Credits	24

OR
Table - 8
Course Structure of Semester IV (X)
for Non-Practical Subject
Option Second

Nature of Courses / Papers		Number of Papers in each Group	Number of Selected Papers	Credits	Total of Credits
Major Theory (Optional / Elective) Note: Students have to choose eighter group - A or group - B.	Group - A	4	4	5 Each Paper	4x5 = 20
	Group – B	4			
Major Research Project (Compulsory)			1	4	4
				Gross Total of Credits	24

12-09-2023

12/12/09/23

12/09/2023

Table - 9
Course Structure of Semester IV (X)
for Practical Subject
Option First

Nature of Courses / Papers		Number of Papers in each Group	Number of Selected Papers	Credits	Total of Credits
Major Theory (Optional / Elective) Note: Students have to choose any two groups from the given three groups.	Group - A	2	4	4 Each Paper	4x4 = 16
	Group – B	2			
	Group – C	2			
Practical (Compulsory)			1	4	4
Major Research Project (Compulsory)			1	4	4
				Gross Total of Credits	24

OR

Table - 10
Course Structure of Semester IV (X)
for Practical Subject
Option Second

Nature of Courses / Papers		Number of Papers in each Group	Number of Selected Papers	Credits	Total of Credits
Major Theory (Optional / Elective) Note: Students have to choose eighter group - A or group – B.	Group - A	4	4	4 Each Paper	4x4 = 16
	Group – B	4			
Practical (Compulsory)			1	4	4
Major Research Project (Compulsory)			1	4	4
				Gross Total of Credits	24

12.09.2023 12/09/23 12/09/2023

Scanned with OKEN Scanner

टिप्पणी - यदि किसी प्रायोगिक विषय में कोई एक प्रश्नपत्र शुद्ध रूप से सैद्धान्तिक प्रकृति का है अर्थात जिसमें प्रयोग संभव नहीं है तो उसके क्रेडिट्स 5 रखे जा सकते है। ऐसी दशा में प्रायोगिक प्रश्नपत्र का क्रेडिट्स 3 हो जाएगा। अन्य शेष 3 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 4 - 4 क्रेडिट्स के रहेंगे। यदि दो प्रश्नपत्र शुद्ध रूप से सैद्धान्तिक प्रकृति के हैं तो इन दोनों प्रश्नपत्रों के क्रेडिट्स 5-5 हो सकते हैं ऐसी दशा में प्रायोगिक प्रश्नपत्र 2 क्रेडिट्स का हो जाएगा तथा शेष 2 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 4 - 4 क्रेडिट्स के रहेंगे। किसी भी दशा में प्रायोगिक विषयों के सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 4 क्रेडिट्स तथा प्रायोगिक प्रश्नपत्र 2 क्रेडिट्स से कम नहीं रखे जा सकते।

3. परीक्षा एवं मूल्यांकन प्रक्रिया (Examination and Evaluation Process)

- समस्त विषयों (Major / Minor) के प्रत्येक प्रश्नपत्र (मुख्य / माइनर / प्रायोगिक) का मूल्यांकन 100 अंकों में होगा। विद्यार्थी के प्राप्त प्राप्तांकों को क्रेडिट तथा ग्रेडिंग प्रणाली में परिवर्तित कर अंकपत्र तैयार किये जाएंगे।
- प्रत्येक प्रश्नपत्र के बाह्य मूल्यांकन हेतु 75 अंक निर्धारित हैं जिसकी परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाएगी।
- विश्वविद्यालय की परीक्षा में अधिकतम 75 अंकों में से न्यूनतम 25 अंक (75 का 33 प्रतिशत) प्राप्त करने आवश्यक होंगे।
- सतत आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 25 अंक निर्धारित हैं। CIE संचालन महाविद्यालय अपने स्तर पर करेंगे।
- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के किसी भी कोर्स/पेपर के आन्तरिक मूल्यांकन (जिस किसी भी प्रश्नपत्र के लिए अंतर्निष्ठ हो) में कोई भी न्यूनतम उत्तीर्ण प्रतिशत नहीं है।
- आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षाओं में कुल मिलाकर न्यूनतम 36 अंक प्राप्त करने होंगे।
- यदि किसी विद्यार्थी को आन्तरिक मूल्यांकन में शून्य अंक व बाह्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णता अंक 36 (मुख्य एवं माइनर विषयों में) अंक मिलते हैं, तब भी वह उत्तीर्ण होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में पूर्ण अनुपस्थिति पर भी शून्य अंक ही मिलेंगे।
- किसी भी प्रकार के कृपांक (Grace Mark) नहीं दिये जायेंगे।

3.1 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों का मूल्यांकन (Evaluation of Theory Papers)

समस्त विषयों के सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों का मूल्यांकन, सतत आन्तरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Assessment - CIE) तथा बाह्य मूल्यांकन (External Assessment / University Exam.) पर आधारित होगा। जैसा कि, पूर्व वर्णित है कि, सतत आन्तरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Assessment - CIE) के 25 अंक तथा बाह्य मूल्यांकन (External Assessment / University Exam.) के 75 अंक निर्धारित हैं जिसका प्रारूप निम्नवत होगा -

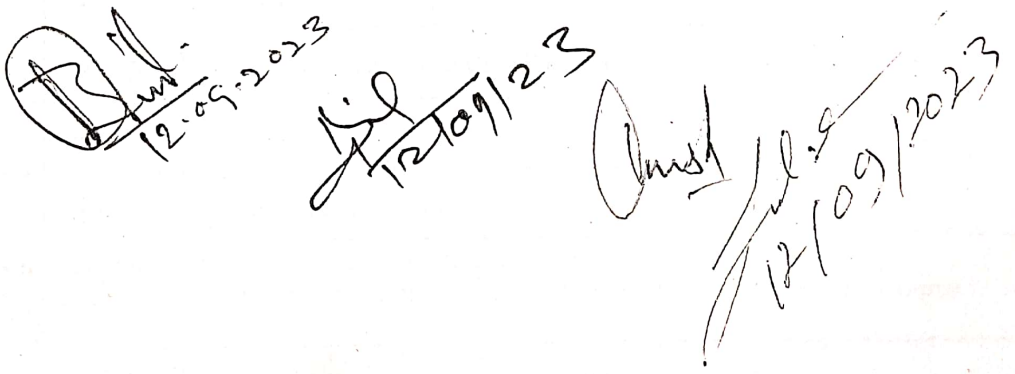

Scanned with OKEN Scanner

Table - 11

Evaluation Pattern for Theory Courses / Papers

Maximum Marks : 100				Total Pass Marks / Percent for UE and CIE
External Assessment (University Exam)		Continuous Internal Evaluation (CIE)		
Maximum Marks	Minimum Pass Marks / Percent	Maximum Marks	Minimum Pass Marks / Percent	
75	33	25	Nil	36/36 (UE+CIE)

3.1.1 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों का सतत आन्तरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Assessment of Theory Papers)

सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों के सतत आन्तरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Assessment - CIE) हेतु निर्धारित अंक / प्रतिशत 25 होंगे। इसकी मूल्यांकन प्रक्रिया महाविद्यालय / विभागीय स्तर पर की जाएगी। सतत आन्तरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Assessment - CIE) निम्नांकित गतिविधियों पर आधारित होगा -

Table - 12

Framework of Continuous Internal Assessment for Theory Courses / Papers

S.N.	Nature of Activities	Maximum Marks
1	Project/ Essay /Assignment/ Survey/Book Review	25
2	Seminar/Presentation	
3	Role Play /Screen Play/ Puzzle /Student Parliament	
4	Quiz/Mid-Term/ Test	
5	Exhibition/Fair/ Educational Visit	
Note: Minimum any two of the above mentioned activities (Weightage of marks for each activity to be assigned within a total of 25 marks by Course Instructor(s).		

- Mid-term / test का स्वरूप वस्तुनिष्ठ अथवा अतिलघुत्तरीय हो सकता है।
- राष्ट्रीय पर्व व महत्वपूर्ण दिवसों व आयोजनों तथा पाठ्येतर क्रियाकलापों (Extra-Curricular Activities) पर विद्यार्थी की उपस्थिति/ सहभागिता के लिए उसे 5 अंक अतिरिक्त इस प्रकार प्रदान किये जा सकते है की सतत् आंतरिक मूल्यांकन का कुल पूर्णांक 25 ही रहे।

12-09-2023

12/09/23

12/09/2023

Scanned with OKEN Scanner

3.1.2 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों के बाह्य मूल्यांकन (External Assessment of Theory Papers)

- सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों के बाह्य मूल्यांकन (External Assessment) के 75 अंक निर्धारित है।
- बाह्य मूल्यांकन की परीक्षा विश्वविद्यालय (University Exam - UE) द्वारा आयोजित / संचालित की जाएगी।
- विश्वविद्यालय द्वारा, बाह्य मूल्यांकन की परीक्षा का आयोजन प्रत्येक सेमेस्टर के अन्त में किया जाएगा।
- समस्त प्रश्नपत्र वर्णनात्मक (Descriptive) प्रकार के होंगे।
- बाह्य परीक्षा की समय अवधि 3 घंटा होगी।
- विश्वविद्यालय की परीक्षा में अधिकतम 75 अंकों में से न्यूनतम 25 अंक (75 का 33 प्रतिशत) लाने आवश्यक होंगे।
- सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों का बाह्य मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्रों का स्वरूप निम्नवत होगा -

Table - 13
Pattern of External Examination for Theory Papers / Courses

Nature / Section of Questions	Total No. of Given Questions	No. of Questions to be Attempted	Word Limit of Answers	Marks Allotted for each Question	Total Marks
Section - A (Very Short Answer Type)	10	10	50	02	10 x 02 = 20
Section - B (Short Answer Type)	08	05	200	07	05 x 07 = 35
Section - C (Long Answer Type)	04	02	500	10	02 x 10 = 20

3.2 प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का मूल्यांकन (Evaluation of Practical Papers)

- प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का मूल्यांकन भी सतत आन्तरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Assessment - CIE) तथा बाह्य मूल्यांकन पर आधारित होगा।
- सतत आन्तरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Assessment - CIE) 25 अंकों का तथा बाह्य मूल्यांकन 75 अंकों का होगा।

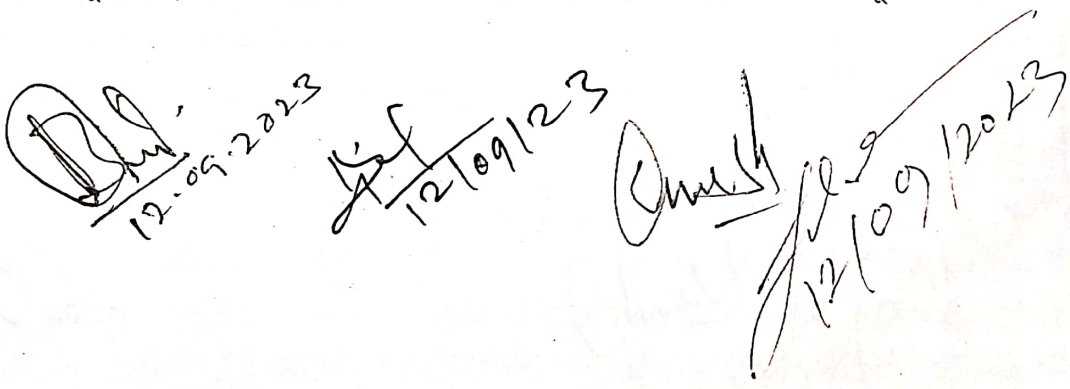

Scanned with OKEN Scanner

Table - 14
Evaluation Pattern for Practical Courses / Papers

Maximum Marks : 100				Total Pass Marks / Percent for UE and CIE
External Assessment (University Exam)		Continuous Internal Evaluation (CIE)		
Maximum Marks	Minimum Pass Marks / Percent	Maximum Marks	Minimum Pass Marks / Percent	
75	33	25	Nil	36/36 (UE+CIE)

3.2.1 प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का सतत आन्तरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Assessment of Practical Papers)

- प्रायोगिक प्रश्नपत्रों के सतत आन्तरिक मूल्यांकन की रूपरेखा निम्नलिखित गतिविधियों पर आधारित होगी -

Table - 15
Framework of Continuous Internal Assessment for Practical Courses / Papers

S.N.	Nature of Activities	Maximum Marks
1	Project/ Assignment/ Survey/Book Review/ Practical Records	25
2	Seminar/Presentation	
3	Role Play /Screen Play/ Puzzle /Student Parliament	
4	Practical Work/Lab Work/ Mock Test/Viva Voce/ Student Interaction	
5	Exhibition/Fair/ Educational Visit	
Note: Minimum any two of the above mentioned activities (Weightage of marks for each activity to be assigned within a total of 25 marks by Course Instructor(s).		

12.09.2023 12/09/23 10/9/2023

Scanned with OKEN Scanner

3.2.2 प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का बाह्य मूल्यांकन (External Assessment of Practical Papers)

- प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का बाह्य मूल्यांकन प्रायोगिक परीक्षा (Practical Examination) के माध्यम से किया जाएगा जिसका मूल्यांकन एक आन्तरिक परीक्षक तथा एक विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।
- बाह्य मूल्यांकन हेतु 75 अंक निर्धारित हैं। 75 अंकों में से 50 अंक की लिखित परीक्षा होगी तथा 25 अंक की मौखिक परीक्षा (Viva Voce) होगी ।
- प्रायोगिक परीक्षा के बाह्य मूल्यांकन का प्रारूप निम्नवत होगा -

Table - 16

Evaluation Pattern for Practical Courses / Papers of External Examination (UE)

Nature of Exam		Marks Allotted	Maximum Marks	Minimum Pass Marks / Percent
University Exam (UE)	Written Exam	50	75	25 / 33
	Viva Voce	25		

3.3 वृहद् शोध परियोजना का मूल्यांकन (Evaluation of Major Research Project)

- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के प्रथम तथा द्वितीय सेमेस्टर की वृहद् शोध परियोजना का हस्त लिखित (Hand Written) अथवा टंकित (Typed) परियोजना प्रतिवेदन (Project Report) / शोध प्रबंध (Dissertation) वर्ष के अन्त में संयुक्त रूप से जमा होगा। इसी प्रकार स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) की वृहद् शोध परियोजना का परियोजना प्रतिवेदन (Project Report) / शोध प्रबंध (Dissertation) वर्ष के अन्त में संयुक्त रूप से जमा होगा।
- वृहद् शोध परियोजना का मूल्यांकन 100 अंकों में शोध निर्देशक तथा विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।
- 100 अंकों में से 75 अंक परियोजना प्रतिवेदन / शोध प्रबन्ध (Project Report / Dissertation) हेतु निर्धारित हैं।
- 25 अंक मौखिक परीक्षा (Viva Voce) हेतु निर्धारित हैं।
- यदि कोई विद्यार्थी स्नातकोत्तर कार्यक्रम के दौरान अपनी शोध परियोजना में से कोई शोध पत्र UGC- CARE सूची में सूचीबद्ध शोध पत्रिका (Journal) में प्रकाशित करवाता है, तो उसे शोध परियोजना मूल्यांकन हेतु निर्धारित 100 अंकों में से 25 अंक तक अतिरिक्त अंक प्रदान किये जा सकते हैं। किन्तु अधिकतम अंक 100 ही रहेंगे।
- मुख्य शोध परियोजना का उत्तीर्णता प्रतिशत 40 हैं।

12.09.2023 12/09/23 12/9/2023

Scanned with OKEN Scanner

Table - 17
Evaluation Pattern for Major Research Project

Nature of Exam	Marks Allotted	Total Marks	Pass Marks / Percent
Project Report / Dissertation	75	100	40
Viva Voce	25		

4. श्रेणीकरण - प्रणाली
(Grading System)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020, के तहत स्नातक स्तर पर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के लिए एक श्रेणीकरण-प्रणाली (Grading System) सुनिश्चित की गई है (शासनादेश संख्या 1567 / सत्तर-3-202116 (26) - 2011 टी.सी., दिनांक 13 जुलाई 2021) । इसका उद्देश्य सभी विश्वविद्यालयों में समान व्यवस्था का निर्धारण है, ताकि विद्यार्थी का एक विश्वविद्यालय / महाविद्यालय से दूसरे विश्वविद्यालय / महाविद्यालय में ABACUS-UP के द्वारा स्थानांतरण किया जा सके। अतः स्टीयरिंग कमेटी द्वारा प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में निम्नलिखित 10 बिन्दु श्रेणीकरण-प्रणाली (10 Point Grading System) लागू किये जाने की संस्तुति की गयी है, जो यूजीसी के दिशा निर्देशों पर आधारित है । यह प्रणाली स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पर भी लागू होगी ।

Table - 18
Grading System

Letter Grade	Description	Post-Graduate Programme	
		Marks Limit	Grade Point
O	Outstanding	91-100	10
A^+	Excellent	81-90	9
A	Very Good	71-80	8
B^+	Good	61-70	7
B	Above Average	51-60	6
C	Average	41-50	5
P	Pass	36-40	4
F	Fail	< 36	0
AB	Absent	Absent	0

उपरोक्त तालिका में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के मुख्य एवं माइनर विषयों का प्रत्येक कोर्स / पेपर (सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक सभी) Credit course है तथा इन सभी का उत्तीर्ण प्रतिशत अब तक प्रचलित 36 प्रतिशत ही होगा ।

12.09.2023

12/09/2023

12/09/2023

Scanned with OKEN Scanner

5. कक्षोन्नति

(Class Promotion)

विद्यार्थियों की एक वर्ष से दूसरे वर्ष तथा एक सेमेस्टर से दूसरे सेमेस्टर में कक्षोन्नति निम्नलिखित प्रतिबंधों के अधीन की जायेगी -

5.1 विद्यार्थी को वर्तमान विषम (Odd) सेमेस्टर से अगले सम (Even) सेमेस्टर में सदैव प्रोन्नत किया जायेगा, चाहे वर्तमान विषम सेमेस्टर का परिणाम कुछ भी हो, बशर्ते की वह अमुक विषम (Odd) सेमेस्टर की संपूर्ण परीक्षा (विश्वविद्यालय द्वारा संपन्न की जाने वाली) में अनुपस्थित न हो। संपूर्ण सेमेस्टर की परीक्षा में अनुपस्थित होने पर 'Year Back' विद्यार्थी / परीक्षार्थी माना जायेगा।

5.2 वर्तमान सम (Even) सेमेस्टर से अगले विषम (Odd) सेमेस्टर अर्थात् वर्तमान वर्ष से अगले वर्ष में प्रोन्नति हेतु आवश्यक है कि, विद्यार्थी ने वर्तमान वर्ष (दोनों सेमेस्टर मिलाकर) के कुल आवश्यक (Required) क्रेडिट्स का न्यूनतम 50% क्रेडिट के पेपर्स (सैद्धान्तिक [redacted]

Scanned with OKEN Scanner

7. काल अवधि
(Time Duration)

- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के किसी भी एक वर्ष को पूरा करने की अधिकतम अवधि तीन वर्ष होगी।

8. CGPA की गणना विधि
(Method of Calculation for CGPA)

SGPA एवं CGPA की गणना निम्नवत सूत्रों से की जाएगी -

j^{th} सेमेस्टर के लिए $SGPA\ (Sj) = \Sigma\ (C_i \times G_i) / \Sigma\ C_i$	यहाँ पर : C_i= number of credits of the i^{th} course in j^{th} semester, G_i= grade point scored by the student in the i^{th} course in j^{th} semester.
$SGPA = \Sigma\ (C_j \times S_j) / \Sigma\ C_j$	यहाँ पर : S_j=SGPA of the j^{th} semester. C_j= total number of credits in the j^{th} semester

CGPA को, प्रतिशत अंको में निम्नलिखित सूत्र के अनुसार परिवर्तित किया जायेगा -

समतुल्य प्रतिशत = CGPA x 9.5

विद्यार्थियों को निम्नवत सारणी के अनुसार श्रेणी (Division) प्रदान की जाएगी -

Table - 19
Criteria for Division Assignment

श्रेणी	वर्गीकरण
प्रथम श्रेणी	6.50 अथवा उससे अधिक तथा 10.00 से कम CGPA
द्वितीय श्रेणी	5.00 अथवा उससे अधिक तथा 6.50 से कम CGPA
तृतीय श्रेणी	4-00 अथवा उससे अधिक तथा 5.00 से कम CGPA

12.09.2023

*****

12/09/23

12/09/2023

Scanned with OKEN Scanner